आपके विद्यालय को इस चुनौती में क्यों शामिल होना चाहिए?

01 राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई की अनूठी पहल से जुड़ने का अवसर

02 जलवायु परिवर्तन शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की क्षमता वर्धन का अवसर

03 जलवायु परिवर्तन पर शैक्षणिक संसाधनों को प्राप्त करने का अवसर

04 जलवायु-साक्षर युवा लीडरों का एक कैडर तैयार करने का अवसर

05 जलवायु परिवर्तन के बारे में पूरे स्कूल को संवेदनशील बनाने का अवसर

06 स्कूल में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के तरीकों को अपनाने का अवसर

07 अपने स्कूल के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन प्रयासों को साझा करने का अवसर

08 जलवायु कार्रवाई पर काम कर रहे स्कूलों के नेटवर्क का हिस्सा बनने का अवसर

सहयोगियों के बारे में

एच.सी.एल. फाउंडेशन

HCLFoundation

एच.सी.एल. फाउंडेशन की स्थापना 2011 में भारत में एच.सी.एल. टेक की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी शाखा के रूप में की गई थी। यह मूल्यों की नींव पर कार्य करने वाला, एक गैर-लाभकारी संगठन है जो दीर्घकालिक टिकाऊ कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों और समुदायों के जीवन को प्रभावित करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों में योगदान देता है। फाउंडेशन का लक्ष्य जीवन चक्र-आधारित एकीकृत सामुदायिक विकास के माध्यम से गरीबी को कम करना और समावेशी वृद्धि और विकास हासिल करना है। यह जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभाव से निपटने के लिए किफायती, विश्वसनीय, टिकाऊ नवीन समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है। 2021 में, एच.सी.एल. फाउंडेशन ने पर्यावरण कार्रवाई के लिए एक विशिष्ट प्रमुख कार्यक्रम, एच.सी.एल. हरित - द ग्रीन इनिशिएटिव लॉन्च किया। एच.सी.एल. हरित भारत के 9 राज्यों में कार्यरत है और पर्यावरणीय बदलावके प्रभावों को कम करने के लिए तत्परता से काम कर रहा है।

पर्यावरण शिक्षा केंद्र (सी.ई.ई.)

CEE
Centre for Environment Education

सी.ई.ई. की स्थापना 1984 में भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय के तहत उत्कृष्टता केंद्र के रूप में की गई थी। सी.ई.ई. का कार्य राष्ट्रव्यापी पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना है। सी.ई.ई. पर्यावरण शिक्षा (ई.ई.) और सतत विकास के लिए शिक्षा (ई.एस.डी.) के क्षेत्र में नवीन कार्यक्रम, शैक्षिक सामग्री का निर्माण और क्षमतावर्धन करना है। जलवायु परिवर्तन शिक्षा और कार्रवाई पर परस्पर संवादात्मक शैक्षिक पद्धतियों के माध्यम से विभिन्न हितधारकों को शामिल करने और सशक्त बनाना केंद्र के मुख्य क्षेत्रों में से एक है। पर्यावरण मित्र सी.ई.ई. की स्कूलो के लिए टिकाऊ विकास और जलवायु परिवर्तन शिक्षा के लिए एक मुख्य पहल है।

संपर्क करें

पर्यावरण शिक्षण केंद्र
उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय (सी.ई.ई. उत्तर)
सेक्टर 11, 32/1, इन्दिरा नगर
लखनऊ 226016, उत्तर प्रदेश
फ़ोन: 0522-3646450
ईमेल: gen4climateaction@ceeindia.org
वेबसाइट: www.gen4climateaction.org; www.ceeindia.org

HCLFoundation

CEE
Centre for Environment Education

GENeration for Climate ActioN

स्कूलों के लिए सस्टेनेबिलिटी और जलवायु परिवर्तन शिक्षा

जनरेशन फॉर क्लाइमेट एक्शन (GenCAN) एच.सी.एल. फाउंडेशन और सी.ई.ई. द्वारा स्कूलों के लिए शुरू की गयी एक नेतृत्व चुनौती है। यह पहल सस्टेनेबिलिटी और जलवायु परिवर्तन शिक्षा से संबंधित है, जो स्कूलों को उनके शिक्षकों और छात्रों को साथ मिलकर, सहयोग व आपसी संवाद द्वारा जलवायु परिवर्तन के बारे में सीखने एवं कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए अपनी कार्य योजना तैयार करने व उसके क्रियावयन हेतु प्रेरित करती है।

यह चुनौती क्यों?

जलवायु परिवर्तन सबसे गंभीर वैश्विक चुनौतियों में से एक है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। छात्रों में नए कौशल, मूल्यों और दृष्टिकोण को विकसित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है जो कि अधिक टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल समाज का निर्माण करने मे सहायक होगा। शिक्षा इस परिवर्तन के निर्माण में संचालक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

स्कूल स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रारूप, कारणों और परिणामों को समझने और उन पर कार्य करने के लिए युवा क्लाइमेट एक्शन लीडरों को तैयार करने की आवश्यकता है। सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को प्राप्त करने के लिए वैश्विक 2030 एजेंडा और जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौता, जलवायु परिवर्तन शिक्षा को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में मान्यता देता है। भारत अपनी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मिशन LiFE के तहत स्कूलों को जलवायु परिवर्तन संबंधी सरोकारों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूनेस्को द्वारा ग्रीनिंग एजुकेशन पार्टनरशिप के तहत ग्रीन स्कूलों को मान्यता प्रदान करने की सिफारिश करता है।

भारत में इस प्रयास का समर्थन करने के लिए, एच.सी.एल. फाउंडेशन और सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन (सी.ई.ई.) ने राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई पहल की शुरुवात की है। इसका लक्ष्य स्कूलों में, शिक्षकों की सहायता से युवा छात्रों को जलवायु साक्षर बनाना और आवश्यक कौशल विकसित करना है। ताकि वे स्थानीय स्तर पर जलवायु कार्यवाही का नेतृत्व कर सकें और समाज में सभी के लिए पथप्रदर्शक बनें।

उद्देश्य

- जलवायु परिवर्तन पर सकारात्मक कदम उठाने के लिए स्कूलों को शामिल करना।
- जलवायु परिवर्तन के बारे में छात्रों को शिक्षित करने के लिए शिक्षकों की क्षमता वर्धन करना।
- स्कूल के कार्बन फ़ुटप्रिंट को कम करने के लिए उनके नेतृत्व को प्रोत्साहित करना।

यह क्लाइमेट एक्शन लीडर चैलेंज क्या है?

स्कूल युवा नागरिकों को तैयार करने वाले आदर्श संस्थान हैं जो जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सोच, समस्या-समाधान, सहयोग और नेतृत्व कौशल के विकास को सुनिश्चित करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, स्कूलों के लिए एक रोमांचक जलवायु कार्रवाई नेतृत्व चुनौती विकसित की गई है। यह एक वार्षिक कार्यक्रम है जहां स्कूलों के छात्रों एवं शिक्षकों की एक टीम को इस चुनौती को पूरा करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है जो आगे चलके पूरे स्कूल को जलवायु मित्र स्कूल बनने में मदद करेगा।

चैलेंज के इन चार चरणों को पूरा करना होगा!

जलवायु साक्षर
जलवायु परिवर्तन विज्ञान और सरोकारों से जुड़े ज्ञान, दृष्टिकोण और मूल्यों को समझना।

जलवायु जासूस
सर्वेक्षण कर अपने विद्यालय के कार्बन फ़ुटप्रिंट का पता लगाना।

जलवायु हीरो
कार्बन फ़ुट्प्रिंट को कम करने के लिए स्कूल जलवायु कार्य योजना तैयार कर, उसको लागू करना।

जलवायु रिपोर्टर
अपने स्कूल की जलवायु कार्रवाई यात्रा का दस्तावेजीकरण कर, साझा करना।

चैलेंज में भाग कैसे लें?

इस ऑनलाइन पहल में शामिल होने के लिए, स्कूलों को निम्न कार्य करना होगा:

- एक शिक्षक को नामित करें,
- कक्षा 6 से 12 में पढ़ने वाले 5 से 8 छात्रों की एक टीम का चयन करें,
- टीम को चुनौती को लागू करने के लिए आवश्यक समय प्रदान करें,
- उन्हे कंप्यूटर का बुनियादी ज्ञान हो और इंटरनेट के उपयोग से परिचित हों।

नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन करके चैलेंज को पूरा करने के लिए 8 से 9 महीने की अवधि की आवश्यकता होगी:

रजिस्टर → सभी आवश्यक विवरण भरें

नामांकन → 1 या 2 शिक्षक प्रभारी

लॉगइन करें → चयन के बाद, स्कूल लॉगिन विवरण प्राप्त करें

प्रोफ़ाइल → अपनी स्कूल की प्रोफ़ाइल बनाएं

संदर्भ → शैक्षणिक संसाधन

प्रशिक्षण → नामांकित शिक्षक का ओरीएन्टेशन

भागीदारी → चैलेंज शुरू करें

संवाद → अन्य युवा जलवायु लीडरो के साथ

प्रस्तुतीकरण → रिपोर्ट एवं सर्टिफ़िकेशन

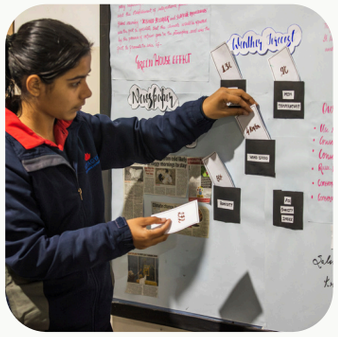

चैलेंज समयरेखा

1. **मार्च - मई** — पंजीकरण
2. **अप्रैल-जुलाई** — प्रभारी शिक्षक का प्रशिक्षण
3. **अप्रैल-जुलाई** — टीम का गठन और चुनौती शुरू करें
4. **मई - अक्टूबर** — चुनौती गतिविधियाँ और जलवायु लीडर सम्मेलन
5. **नवंबर-दिसंबर** — चुनौती पूर्ण करना और रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण
6. **जनवरी-फरवरी** — मूल्यांकन एवं परिणामों की घोषणा

अपने स्कूल का पंजीकरण कराएं

www.gen4climateaction.org